अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2024) दिनांक : 18.12.2024

समय सीमा : 3 घंटा प्रथम वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

तेरापंथ का इतिहास–80

प्र. 1 किन्हीं सत्तरह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 17

आचार्य भिक्षु (कोई तेरह प्रश्नों के उत्तर दें)–

(क) स्वामी जी से किसने कहा.....यदि आप न होते तो मेरी क्या गति होती?

(ख) संकलेचा गोत्र का आदिस्त्रोत किस ग्राम से संबद्ध है?

(ग) 'कार्यं वा साधयेयं, देहं वा पातयेयम्' का अर्थ लिखें।

(घ) स्वामीजी के बाल्यावस्था के एक मित्र का नाम बतायें। वे कहां के निवासी थे?

(ड़) सत्य की सूक्ष्मता तक पहुंचने के लिए क्या नितांत अपेक्षित है?

(च) कितने एवं कौन से कर्म पुण्य-पाप दोनों हैं?

(छ) स्वामीजी से किसने कहा–आप उच्च देवलोक में जायेंगे।

(ज) आचार्य भिक्षु द्वारा रचित किस आख्यान में वसंत ऋतु का वर्णन है?

(झ) यति हीरविजय जी किस विद्या के अच्छे ज्ञाता थे?

(ञ) शाक्य मुनि गौतम बुद्ध को बोधि प्राप्त होने के बाद धर्म का उपदेश देने की प्रेरणा किसने दी?

(ट) स्वामीजी ने ढ़ंढ़ण मुनि से किनकी तुलना की?

(ठ) उन दो श्रावकों के नाम बतायें जिन्होंने उत्प्रेरक बनते हुए स्वामी जी से कहा–'स्वामीजी आप आगमों का अध्ययन पूरी अनुप्रेक्षा के साथ करना।'

(ड) जयाचार्य ने स्वामीजी से स्वप्न संपर्क किये। कितने स्वप्नों का विवरण उनकी ही हस्तलिपि में उपलब्ध है?

(ढ) स्वामीजी के समय साधुओं की संख्या आठ से नौ कब हुई? नवम साधु का नाम क्या था?

(ण) अंतिम आहार के रूप में आचार्य भिक्षु ने किसके हाथ से क्या लिया?

आचार्य भारमल जी (कोई चार प्रश्नों के उत्तर दें)–

(त) तेरापंथ का प्रथम मर्यादा पत्र कब लिखा गया? उस समय संघ में कितने साधु थे?

(थ) स्वामीजी के हर आदेश को मुनि भारमल जी किस प्रेक्षा से स्वीकार करते थे?

(द) स्वामीजी मुनि भारमल जी को अपना प्रथम प्रयोग क्षेत्र क्यों मानते थे?

(ध) मुनि भारमल जी का एक चातुर्मास स्वामीजी से पृथक कब और कहां हुआ?

(न) आचार्य भारमल जी की तपस्या में कौन सी भावना व्याप्त थी?

प्र. 2 किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 15

आचार्य भिक्षु (किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें)–

(क) विनीत एवं अविनीत के पास प्रतिबोध पाने वालों में गुणों का क्या अंतर होता है?

(ख) सदोष धर्म विनाशकारी कैसे होता है?

(ग) 'स्वामीजी आप इतने कड़े दृष्टांत क्यों देते है'–एक भाई द्वारा यह पूछे जाने पर स्वामीजी ने क्या स्पष्टीकरण दिया?

(घ) 'धम्मो मंगल' निर्जरा हेतु सुनना चाहिए, इस तथ्य को स्वामीजी ने कैसे समझाया?

(ड़) स्वामीजी ने 'तेरापंथ' शब्द का संख्यापरक अर्थ क्या किया?

आचार्य भारमलजी (किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें)–

(च) कैसे पता लगता है कि महाराणा भीमसिंह जी आचार सम्बन्धी कल्पाकल्प से बहुत अच्छी तरह परिचित हो गए थे?

(छ) यति जिनचन्द्रसूरि ने प्रथम, दूसरा और तीसरी बार आए साधुओं को क्रमशः किसके समान बताया?

(ज) आचार्य भारमल जी की अन्तिम शिक्षा का सार संक्षेप में क्या था?

प्र. 3 **आचार्य भिक्षु** (किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए)– 12

(क) 'आगे तू है और पीछे मैं' रूधनाथजी के इन धमकी भरे शब्दों का स्वामीजी ने क्या उत्तर दिया कि रूधनाथ जी हतप्रभ हो गए?

(ख) तेरापंथ साहित्य के आदिस्त्रोत की कहानी क्या है?

(ग) अपने संपूर्ण जीवन का सिंहावलोकन करते हुए स्वामीजी ने स्वयं को पूर्णतः निःशल्य एवं सधः-स्नान की तरह निर्मलतर कैसे बनाया?

प्र. 4 किन्हीं चार प्रसंगों से स्पष्ट करें कि आचार्य भिक्षु सत्य भक्त थे, असत्य के विरोधी भी थे। 15

अथवा

सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु एक जनउद्धारक आचार्य थे।

आचार्य श्री भारमल जी

प्र. 5 आचार्य श्री भारमल जी के संलेखना तप का वर्णन करें। 6

अथवा

मुनिश्री भारमल जी ने शास्त्रानुमोदित किस मार्ग को अपनाकर अहिंसा की साधना का परिचय दिया?

प्र. 6 आचार्य भारमल जी का व्यक्तित्व प्रभावक था, वे मधुर व्याख्यानी थे। उनकी दृष्टि धर्म प्रचार के लिए अत्यंत जागरूक रहती थी, विस्तार से उल्लेख करें। 15

अथवा

महाराणा द्वारा आचार्य भारमल जी का उदयपुर से निष्कासन, महाराणा पर विपत्ति, केशरजी भंडारी द्वारा भ्रांति निवारण एवं पत्र प्रेषण द्वारा महाराणा की प्रार्थना स्वीकार का वर्णन करें।

तेरापंथ-प्रबोध–20

प्र. 7 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें– 8

(क) हेम-हजारी.....अविचार हो।

(ख) श्रावक.....आचार-विचार हो।

(ग) संख्या.....निरधार हो।

(घ) पोषण.....अनिवार हो।

(ड़) पग-पग.....साभार हो।

प्र. 8 किन्हीं तीन पद्यों को अर्थ सहित लिखें– 12

(क) 'ज्योतिर्मय चिन्मय दीप' वाला पद्य।

(ख) 'लाभालाभे सुहे दुहे' वाला पद्य।

(ग) 'पुण्य बंध धार्मिक करणी स्यूं' वाला पद्य।

(घ) 'तेरा श्रावक भीखणजी रै' वाला पद्य।